जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

# राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

जालोर

Rashtradoot

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 वर्षः 20 संख्याः 58 प्रभात जालोर, गुरुवार 5 जून, 2025 पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2022-24 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.


# भूपेश बघेल कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष होंगे?

## इस महत्वाकांक्षा की पूर्ति के लिए बघेल ने अपनी वफादारी, प्रियंका गांधी खेमे से हटाकर, के.सी. वेणुगोपाल के खेमे से जोड़ी

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 जून। पार्टी के उच्च पदस्थ सूत्रों के अनुसार, भूपेश बघेल कांग्रेस पार्टी के अगले अध्यक्ष बनने की तैयारी कर रहे हैं। यह चौंकाने वाला घटनाक्रम इसलिए हो रहा है क्योंकि बघेल ने दीर्घगामी रणनीति बनाकर इस लक्ष्य को साधने की दिशा में काम किया है।

सूत्रों का कहना है कि छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री और ओबीसी (कुर्मी) नेता भूपेश बघेल अब प्रियंका गांधी खेमे में नहीं हैं, बल्कि उन्होंने खुद को के.सी. वेणुगोपाल खेमे में शामिल कर लिया है।

विदित ही है कि आज के समय में के.सी. वेणुगोपाल कांग्रेस पार्टी के सबसे ताक़तवर व्यक्ति हैं। और बघेल का मानना है कि कांग्रेस अध्यक्ष बनने का रास्ता वेणुगोपाल से होकर ही गुजरता है।

- बघेल ही नहीं, राजस्थान के प्रभारी रंधावा भी अब पूर्णतया के.सी. वेणुगोपाल के खेमे के सदस्य हैं।
- पूर्व मु.मंत्री अशोक गहलोत भी अब दिल्ली के सैट-अप में अपना स्थान वेणुगोपाल के मार्फत बनाना चाहते हैं।
- परंतु, जब से गहलोत ने तत्कालीन पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी व नेहरु-गांधी परिवार के खिलाफ बगावत की थी, वेणुगोपाल भी राहुल गांधी के दरबार में गहलोत की ''एंट्री'' कराने में सफल नहीं हो पा रहे हैं। अंबिका सोनी, जिनकी सोनिया गांधी भी सुनती हैं, गहलोत का पुनर्वास कराने में सफल नहीं हो पा रही हैं।

बघेल वर्तमान में पंजाब के प्रभारी हैं, जहाँ उन्होंने वेणुगोपाल के सामने पूरी तरह समर्पण कर दिया है और कई मुद्दों पर कोई स्वतंत्र रुख नहीं अपना रहे हैं।

पंजाब में वरिष्ठ नेताओं का एक समूह वेणुगोपाल की संरक्षण में है, जिसमें रंधावा, राजा वड़िंग, प्रताप सिंह बाजवा जैसे नाम शामिल हैं। इन नेताओं पर आरोप है कि वे आम आदमी पार्टी और भाजपा के हाथों में पूरी तरह खेल रहे हैं, जिससे राज्य में कांग्रेस का स्थिति बेहद कमजोर हो चुकी है।

पंजाब प्रभारी होने के बावजूद, बघेल ने किसी भी मामले में दखल देने से इनकार कर दिया है और सिर्फ वेणुगोपाल के निर्देशों पर चल रहे हैं।

केवल इतना ही नही है। कांग्रेस के लगभग सभी महासचिव और राज्य

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## 21 जुलाई से आरंभ होगा, संसद का मानूसन सत्र

नयी दिल्ली, 04 जून। संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई को शुरू होगा और 12 अगस्त तक चलेगा। संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजीजू ने बुधवार को यहां यह जानकारी दी।

मानसून सत्र में ऑपरेशन सिन्दूर और आपातकाल के 50 वर्ष पूरे होन पर विशेष चर्चा होने की संभावना है। सूत्रों के अनुसार यह संभावना भी है कि सत्र के दौरान न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के

- संसदीय कार्यमंत्री किरण रिजीजू ने यह जानकारी दी, साथ ही यह भी बताया कि सत्र 12 अगस्त तक चलेगा।

सरकारी आवास पर बड़ी मात्रा में नकदी बरामद होने के मामले में उनके खिलाफ महाअभियोग प्रस्ताव लाया जाएगा। उन्होंने कहा कि यदि प्रस्ताव लाने का निर्णय होता है, तो उसे इसी सत्र में लाया जाएगा। विपक्ष ने ऑपरेशन सिन्दूर को लेकर संसद का विशेष सत्र लाने की सरकार से मांग की थी।

# छः जून को प्र.मंत्री चिनाब रेलवे पुल का उद्घाटन करेंगे

## यह पुल रेलवे इंजिनियरिंग की महान, अंतर्राष्ट्रीय स्तर की उपलब्धि तो है ही, साथ ही भारत का जवाब है, आतंकवाद के मुकाबले

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 जून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 6 जून को जम्मू-कश्मीर में चेनाब रेल पुल का उद्घाटन करेंगे, यह इंजीनियरिंग का एक अद्भुत नमूना है, जो न केवल बेहतर संपर्क सुनिश्चित करता है, बल्कि आतंकवाद की हालिया घटनाओं से जूझ रहे पर्यटन-आधारित इस राज्य की अर्थव्यवस्था के लिए जीवनरेखा साबित हो सकता है।

1.31 किमी लंबा चेनाब पुल, जो नदी तल से 359 मीटर ऊँचा है और आइफिल टावर से भी ऊँचा है, दुनिया का सबसे ऊँचा रेलवे पुल है। यह लंबे समय से प्रतीक्षित उधमपुर-श्रीनगर-बारामुला रेल लिंक (यूएसबीआरएल)

- यह पुल दुनिया का सबसे ऊँचा पुल है। इसकी ऊँचाई आइफल टावर से भी अधिक है तथा इसके निर्माण में 1,486 करोड़ रूपए की लागत आयी और निर्माण में दो दशक से ज्यादा समय लगा।
- यह पुल ऊधमपुर, श्रीनगर, बारामूला की 272 किलोमीटर लम्बी रेल लिंक योजना का सबसे महत्वपूर्ण अंग है तथा इस रेल लिंक में 943 पुल, 36 सुरंगें हैं, जिसमें भारत की सबसे बड़ी, 12.77 किलोमीटर लम्बी सुरंग भी शामिल है।

का हिस्सा है। इस पुल की लागत 1,486 करोड़ रही और इसे पूरा करने में दो दशक से अधिक का समय लगा, क्योंकि हिमालयी क्षेत्र की दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियाँ और जलवायु एक बड़ी चुनौती थीं। अब इसे घाटी के लिए एक ''गेम-चेंजर'' के रूप में देखा जा रहा है, जहाँ पर्यटन को उग्रवाद और आर्थिक गति हीनता का सबसे प्रभावी

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# ईरान में अपहृत तीन भारतीय नागरिक बरामद

तेहरान/नयी दिल्ली, 03 जून। ईरान में अपहृत तीन भारतीय नागरिक बरामद कर लिए गए हैं। ईरानी मीडिया ने मंगलवार देर रात यह जानकारी दी। मीडिया के अनुसार अपहरणकर्ता अफगान नागरिक हैं और फिलहाल पुलिस की हिरासत में हैं। बताया जाता है कि गत सप्ताह इन तीनों भारतीय नागरिकों का गत सप्ताह अपहरण कर लिया गया था। भारत स्थित ईरानी दूतावास ने गत गुरुवार को बताया कि ईरान में तीन भारतीय नागरिकों के लापता होने की जांच ईरान के विदेश मंत्रालय के कांसुलर मामलों के विभाग द्वारा देश के न्यायिक अधिकारियों के साथ निकट समन्वय में सक्रिय रूप से की जा रही है। तेहरान स्थित भारतीय दूतावास को ईरानी अधिकारियों के साथ निरंतर समन्वय के माध्यम से मामले की प्रगति के बारे में पूरी जानकारी दी जा रही है। भारत में ईरान के दूतावास ने एक्स पर पोस्ट किया,तीन भारतीय नागरिकों के लापता होने से संबंधित मामले को इस्लामी गणराज्य ईरान के विदेश मंत्रालय के कांसुलर मामलों के विभाग द्वारा संबंधित न्यायिक अधिकारियों के समन्वय में देखा जा रहा है। इससे पहले इन तीनों भारतीयों के अपहरण में पाकिस्तान और उसकी खुफिया एजेंसी इंटर सर्विसेज इंटेलीजेंस के हाथ होने की भी आशंका जतायी जा रही थी।

## अगले हफ्ते से मानसून फिर रफ्तार पकड़ेगा

नयी दिल्ली, 04 जून। 16 साल बाद अपने तय समय से पहले दस्तक देने वाले मानसून की रफ्तार अब धीमी पड़ गई है। मानसून को वापस अपनी रफ्तार पकड़ने में थोड़ा वक्त लग सकता है।

भारतीय मौसम विभाग का कहना है कि, बंगाल की खाड़ी में एक नया मौसम तंत्र बनने की संभावना है, जिससे मानसून दोबारा सक्रिय होगा। फिर देश के शेष हिस्सों में आगे बढ़ेगा। दरअसल, इस वर्ष मानसून ने 24 मई को केरल में समय से पहले दस्तक दी। यह पिछले 16 वर्षों में सबसे जल्द शुरुआत रही।

# मोदी से मिले ऑस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री

नयी दिल्ली, 04 जून। ऑस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री एवं रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्लेस ने आज यहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। प्रधानमंत्री मोदी ने हाल ही में हुए संघीय चुनावों में ऑस्ट्रेलिया की लेबर पार्टी की ऐतिहासिक जीत पर उप प्रधानमंत्री मार्लेस को बधाई दी। आधिकारिक जानकारी के अनुसार दोनों नेताओं ने भारत-ऑस्ट्रेलिया समग्र रणनीतिक साझीदारी को और मजबूत करने के तौर-तरीकों पर चर्चा की। इस साझीदारी के इस वर्ष पांच साल पूरे हो गए। उन्होंने रक्षा औद्योगिक सहयोग, सुदृढ़ आपूर्ति श्रृंखला, महत्वपूर्ण खनिजों, नवीन और उभरती प्रौद्योगिकियों जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने इस बात की पुष्टि की कि स्थिर, सुरक्षित और समृद्ध हिंद-प्रशांत के लिए साझा दृष्टिकोण द्विपक्षीय सहयोग का मार्गदर्शन करता रहेगा। उप प्रधानमंत्री मार्लेस ने सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई में ऑस्ट्रेलिया के समर्थन को दोहराया। प्रधानमंत्री मोदी ने ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री अल्बानियो को इस वर्ष के अंत में भारत में आयोजित होने वाले वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए आमंत्रित किया।

## 'अमेरिका की छात्र वीसा नीति पर चुप क्यों है सरकार'

नई दिल्ली, 04 जून। कांग्रेस ने बुधवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के उस फैसले पर चिंता जताई, जिसका वहां पढ़ने वाले विदेशी छात्रों पर असर पड़ रहा है। इस दौरान कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर पर निशाना साधा। पार्टी ने कहा कि चीन ने अपने छात्रों के लिए सख्त प्रतिक्रिया दी है, लेकिन

- कांग्रेस ने प्र.मंत्री मोदी और विदेश मंत्री जयशंकर की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए कहा, चीन ने अपने छात्रों के लिए सख्त प्रतिक्रिया दी, पर हमारी सरकार चुप है और अमेरिका में हमारे छात्र अनिश्चित भविष्य को लेकर आशंकित हैं।

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# बैंगलूरु में आईपीएल की जीत के जश्न में मची भगदड़, 11 की मौत 33 घायल

## रॉयल चैलेन्जर्स बैंगलूरु की पहली आईपीएल जीत से बेकाबू प्रशंसकों को हैंडल नहीं कर पाई पुलिस

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 जून। आईपीएल ट्रॉफी क्या जीती, मौत के तांडव को आमंत्रण दे दिया।

आरसीबी (रॉयल चैलेन्जर्स बैंगलूरु) द्वारा पहली बार आईपीएल ट्रॉफी जीते जाने की खुशी में 4 जून, 2025 को बेंगलुरु में मनाया जा रहा जश्न मातम में तब्दील हो गया। चिन्नास्वामी स्टेडियम में इस अवसर पर हुई खतरनाक भगदड़ में एक बच्चे सहित, 11 लोग अपनी जान गँवा बैठे। दरअसल, स्टेडियम में भीड़ का जबरदस्त सैलाब उमड़ा और पुलिस भीड़ को नियंत्रित नहीं कर सकी।

सम्भवतः अधिकारियों की प्लानिंग में रही कमी और जीत के जश्न में उमड़ी जबरदस्त भीड़ के कारण एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में भगदड़ मच गई और कम से कम 11 लोगों की मृत्यु हो गई तथा 20 से अधिक लोग घायल हो गये।

- कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा, प्रशासन ने 5,000 पुलिसकर्मी तैनात किए थे, पर भीड़ बेकाबू हो गई थी। हम इन पर लाठी चार्ज नहीं कर सकते थे।
- राज्य की विपक्षी पार्टी भाजपा ने इस हादसे के लिए कांग्रेस सरकार की लापरवाही को जिम्मेवार ठहराया और कहा कि स्टेडियम में कोई व्यवस्था नहीं की गई थी।

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने पत्रकारों से बात करते हुए बताया कि भीड़ ''नियंत्रण से बाहर'' हो गई थी। लेकिन उन्होंने भगदड़ में हुए हताहतों की संख्या की पुष्टि करने से इनकार कर दिया।

उन्होंने कहा, ''मेरा मानना है कि भीड़ को नियंत्रित कर पाना संभव ही नहीं था। मैं बेंगलुरु और कर्नाटक के सभी लोगों से माफी माँगता हूँ। हम जश्न को एक जुलूस का रूप देना चाहते थे लेकिन भीड़ काबू से बाहर हो गई थी। हमने सुरक्षा के सभी उपाय किये थे, जिनमें 5000 पुलिसकर्मी तैनात किया

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# बॉम्बे लॉयर्स एसोसिएशन ने सुप्रीम कोर्ट के मु. न्यायाधीश को पत्र लिखा

## इन वकीलों ने मु. न्यायाधीश से आग्रह किया कि वे न्यायाधीश वर्मा के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के लिए अपनी सहमति प्रदान करें

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली। 4 जून। संवैधानिक संस्थाओं की निष्ठा और जवाबदेही को मजबूत करने के उद्देश्य से, बॉम्बे लॉयर्स एसोसिएशन (बीएलए) ने भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति बी.आर. गवई को पत्र लिखकर न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा, जो वर्तमान में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश हैं, के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 और भारतीय न्याय संहिता, 2023 के तहत आपराधिक अभियोजन शुरू करने की अनुमति मांगी है।

यह मांग 14 मार्च 2025 को न्यायमूर्ति वर्मा के सरकारी आवास (30 तुगलक रोड, नई दिल्ली) में लगी आग की उस घटना के बाद आई है, जिसमें कथित रूप से 15 करोड़ रुपये की अधजली नकदी, फायर ब्रिगेड कर्मियों द्वारा बरामद की गई थी।

- वकीलों का तर्क है कि एफआईआर के अभाव में, पंचनामा तैयार नहीं होने से सबूतों की हेराफेरी की संभावना बनी रहती है, जिससे न्यायपालिका की प्रतिष्ठा व विश्वसनीयता को आघात पहुँचता है।
- वकीलों के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट की कॉन्स्टिट्यूशन बैंच के 1991 के निर्णय के अनुसार, न्यायाधीश भी ''पब्लिक सर्वेन्ट'' है तथा मुख्य न्यायाधीश की इजाज़त लेकर उनके खिलाफ कार्यवाही की जा सकती है।
- वकीलों ने उस ''इन हाउस'' कमेटी की रिपोर्ट को भी सार्वजनिक करने का आग्रह किया है जो कि तत्कालीन न्यायाधीश संजीव खन्ना को तीन मई को सौंपी गई थी तथा यह रिपोर्ट आगे राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री को भेजी है।

घटना के समय न्यायमूर्ति वर्मा दिल्ली उच्च न्यायालय में जज के पद पर कार्यरत थे।

2 जून 2025 को बीएलए अध्यक्ष अधिवक्ता अहमद अब्दी और सचिव अधिवक्ता एकनाथ आर. धोकेले द्वारा हस्ताक्षिरत पत्र में एसोसिएशन ने मुख्य न्यायाधीश से आग्रह किया है कि एफआईआर दर्ज करने की अनुमति दी जाए, क्योंकि उपलब्ध साक्ष्य संज्ञेय अपराधों की ओर इशारा करते हैं।

पत्र में कहा गया है कि तुरंत कार्यवाई इसलिए जरूरी है ताकि ''सबूत सुरक्षित रहें और कानून का राज कायम

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )